तापमान

अधिकतम 36.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि कोरबा भूमि

बिलासपुर, रविवार 15 फरवरी 2026

दीपका | कटघोरा | छुरी | पाली | करतला | पोड़ीउपरोड़ा

4

एसईसीएल के निदेशक ने मेगा प्रोजेक्ट्स गेवरा खदान का किया निरीक्षण दिए निर्देश

खबर संक्षेप

शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने मुख्यमंत्री से मांग

कोरबा। छग शिक्षक फेडरेशन ने शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष करने की मांग मुख्यमंत्री से की है। इस संबंध में मुख्यमंत्री के नाम प्रेषित पत्र में फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी, जिला संरक्षक आर के पाण्डेय, जिला अध्यक्ष सर्वेश सोनी ने बताया कि फेडरेशन ने मुख्य रुप से अनुभवी शिक्षकों की कमी को पूरा करने, शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने के साथ यूजीसी के नियमों के अनुरुप समानता लाने के उद्देश्य से यह मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि यह निर्णय लिया जाता है तो अनुभवी शिक्षकों के ज्ञान का लाभ एलीमेट्री एजुकेशन माध्यमिक शिक्षा सहित हाई और हायर सेकेण्डरी शिक्षा व्यवस्था को लंबे समय तक मिलेगा। आयु बढ़ाने से स्कूलों में अनुभवी शिक्षकों की कमी पूरी होगी।

विजय बने मूलनिवासी मुक्ति मोर्चा के जिला महासचिव

कोरबा। राष्ट्रीय संयुक्त मोर्चा भारत के घटक संगठन मूलनिवासी मुक्ति मोर्चा के जिला संयोजक क्रांति कुमार साव ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम पटाढी कोरबा के समाजसेवक किसान नेता विजय आनंद को मूलनिवासी मुक्ति मोर्चा का जिला महासचिव एवं ग्राम खैरभवना की कौशल्या कंवर को जिला सचिव नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति मोर्चा के जिला संयोजक क्रांति कुमार साव की अनुशंसा पर मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल ऋषिकर भारती द्वारा की है। इस नियुक्ति से जिले के सदस्यों और लोगों बधाईयां दी हैं। प्रत्येक जाति समुदाय तथा धर्म मजहबों के लोगों को सत्य, अहिंसा और सदाचार के संवैधानिक पथ पर सर्व समाज को जोड़कर उनको जीते जी सुख शांति पहुंचाकर भारत देश को विश्व की निर्णायक शक्ति बनाना संगठन का मुख्य उद्देश्य है।

जन्म-मृत्यु पंजीयन हेतु प्रशिक्षण कल

कोरबा। आरजीआई पोर्टल से आनलाईन जन्म-मृत्यु पंजीयन हेतु 16 फरवरी को जनपद पंचायत कोरबा के सभाकक्ष में प्रातः 11 बजे से अपरांह 1 बजे तक तथा दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। प्रशिक्षण जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय के अधिकारियों द्वारा दिया जायेगा। जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी ने बताया कि जिला चिकित्सालय कोरबा, शहरी प्राथमिक केन्द्र ढोढ़ीपारा, एसईसीएल कोरबा (मुड़ापार), सीएसईबी पूर्व, ईएसआईसी अस्पताल कोरबा, समस्त सामुदायिक, प्राथमिक एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र विकासखंड कोरबा के लिए प्रशिक्षण का आयोजन प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक किया जायेगा। इसी तरह नगर पालिका कोरबा एवं जनपद पंचायत कोरबा अंतर्गत समस्त ग्राम पंचायत सचिवों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक किया जायेगा।

गिट्टी खनन के लिए जनसुनवाई की प्रक्रिया संपन्न

कोरबा। पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के सरमा गांव में गिट्टी खदान खुलने का रास्ता आखिरकार साफ हो गया है। प्रशासन और पुलिस की उपस्थिति में गिट्टी खदान खोले जाने को लेकर यहां पर जनसुनवाई हुई जो बिना किसी दिक्कत के सम्पन्न हो गई। कोरबी पुलिस चौकी के अंतर्गत आने वाले इस गांव में गिट्टी उत्खनन को लेकर क्रेशर प्लांट डालने के लिए एक पार्टी ने आवेदन किया था। प्रशासन इसे स्वीकृत किया और फिर प्रक्रियाओं को आगे बढ़ते हुए इसके लिए जनसुनवाई का स्टेप लिया। प्रशासन के अधिकारी के अलावा कोरवी पुलिस चौकी प्रभारी एसके जोगी और बल यहां पर मौजूद रहा। ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिनिधि मौके पर उपस्थित हुए । यहां पर लोगों को बताया गया कि कितने दायरे में गिट्टी उत्खनन का काम किया जाएगा और इस दौरान सुरक्षा और पर्यावरण का कैसे ख्याल रखा जाएगा।

धान उपार्जन केंद्रों में सत्यापन के लिए पहुंच रही है अधिकारियों की टीम

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

धान खरीदी समाप्त होने के बाद अब उपार्जन केंद्रों में प्रशासनिक टीम पहुंचकर खरीदी का सत्यापन कर रही है जिसमें देखा जा रहा है कि केंद्र में खरीदा गया धान रिकार्ड में दर्ज मात्रा के अनुसार उपलब्ध है या नहीं। धान सत्यापन के लिए दो स्तर की टीम बनाई गई है जो इस समय उपार्जन केंद्रों में पहुंच रही है।

अलग खबर

बीते वर्ष से कम धान खरीदी होने के बाद भी उपार्जन केंद्रों में खरीदे गए धान का सत्यापन की प्रक्रिया शुरु हो गई है। खरीदे गए धान का सत्यापन करने हेतु जिला और ब्लॉक स्तर की टीम बनाई गई है जिनमें नायब तहसीलदार, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के अलावा फूड इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारी शामिल हैं। जिनके द्वारा सत्यापन कार्यवाही की जा रही है। 30 जनवरी को खरीदी बंद होने के बाद फरवरी माह के पहले सप्ताह से ही सत्यापन की कार्यवाही शुरु हो गई थी। जिसमें बड़े उपार्जन केंद्रों को फोकस किया गया है। सत्यापन के दौरान यह देखा जा रहा है कि किस उपार्जन केंद्र में कौन सा धान कितना खरीदा गया। उसकी मात्रा कितनी है। कितने किसानों ने कौन सा धान बेचा, रिकार्ड में दर्ज मात्रा से सत्यापन की कार्यवाही चल रही है। कितने धान का उठाव हो चुका है उसके भी आंकड़े का मिलान किया जा रहा है। बड़े केंद्रों से धान के उठाव की प्रक्रिया अभी भी चल रही है। बताया जाता है कि फरवरी माह के अंत तक सभी केंद्रों से धान का उठाव कर लिया जाएगा।

दो स्तर की टीम बनाकर खरीदी का किया जा रहा सत्यापन

खास बातें

- बड़े धान खरीदी केन्द्रों को किया जा रहा फोकस
- रिकार्ड के मिलान की भी हो रही कार्यवाही

सत्यापन के बाद मिलेगी कमीशन राशि

समितियों को धान खरीदी की कमीशन राशि सत्यापन के बाद जारी की जाएगी जिन समितियों मे सत्यापन के दौरान धान की मात्रा कम मिलती है उन समितियों को भरपाई करना पड़ता है इसलिए सत्यापन के लिए दो टीमें बनाई जाती है ताकि किसी भी टीम की सत्यापन के दौरान तरह की होने गड़बड़ी को पकड़ा जा सके।

अभिभावकों ने पिछले वर्ष से परीक्षा केंद्र बनाए जाने के लिए बोर्ड से की थी मांग

ग्रामीण क्षेत्रों के सीबीएसई स्कूल के छात्रों को परीक्षा के लिए तय करना पड़ेगा लंबा सफर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

सीबीएसई बोर्ड की परीक्षाओं के लिए बनाए गए परीक्षा केंद्रों में इस बार फिर पाली, हरदीबाजार कटघोरा के छात्रों को परीक्षा दिलाने के लिए लंबा सफर तय करना पड़ेगा। पिछले लंबे समय से छात्रों को इस परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिन स्कूल के छात्र इस परेशानी का सामना कर रहे हैं उनमें स्वामी आत्मानंद पाली, कटघोरा, हरदीबाजार और एकलव्य स्कूल के छात्र शामिल हैं जिन्हें परीक्षा दिलाने वाले छात्रों को दीपका, छुरी, एनटीपीसी का सफर करना पड़ेगा।

सीबीएसई बोर्ड की परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्र बनाने में जो मापदण्ड तय किए गए हैं उसके मुताबिक पुराने परीक्षा केंद्रों में ही परीक्षाएं ली जा रही हैं जो लंबे समय से परीक्षा केंद्र के रुप में स्थापित है। जबकि सीबीएसई बोर्ड से संबंधित नए स्कूल भी जिले के शहरी और ग्रामीण अंचलों में शुरु हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में उन स्कूलों को भी परीक्षा केंद्र बनाए जाने के लिए अभिभावकों के साथ साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी शासन प्रशासन से मांग की थी किंतु उनकी मांगें धरी की धरी रह गई और नए सीबीएसई बोर्ड के स्कूलों के छात्रों को परीक्षा दिलाने के लिए 50 से 60 किलोमीटर तक की दूरी तय करनी पड़ेगी। इनमें पाली स्वामी आत्मानंद स्कूल के छात्रों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करते हैं। जिन्हें परीक्षा दिलाने के लिए दीपका डीएवी स्कूल आना पड़ता है। इसी तरह गोपालपुर सेंट्रल स्कूल को भी परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इस परीक्षा केंद्र में भी ग्रामीण अंचलों के सीबीएसई स्कूल के छात्र परीक्षा दिलाने पहुंचते हैं।

खास बात

- स्वामी आत्मानंद पाली, कटघोरा और एकलव्य स्कूल के छात्रों को मिला दूसरी जगह सेंटर

फाइल फोटो

अभिभावकों को करनी पड़ती है अपनी व्यवस्था

बच्चों को परीक्षा दिलाने के लिए अभिभावकों को अपनी स्तर पर व्यवस्था करनी पड़ती है। कई अभिभावक सामूहिक रुप से वाहन की व्यवस्था करते हैं। यह स्थिति लगभग सभी सीबीएसई स्कूलों के छात्रों के साथ है। स्कूल प्रबंधन के द्वारा छात्रों को परीक्षा दिलाने के लिए अपने स्तर पर किसी तरह की कोई वाहन व्यवस्था नहीं की जाती जिसके लिए अभिभावकों पर आर्थिक भार पड़ता है।

किस स्कूल का कहां परीक्षा केंद्र

कटघोरा के त्रिलोकी पब्लिक स्कूल, डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल कटघोरा का परीक्षा केंद्र, नवोदय विद्यालय छुरी बनाया गया है। इसी तरह पाली ब्लॉक के डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल सैला एवं सर्वमंगला स्कूल झाबर तथा एकलव्य आवासीय विद्यालय लाफा का परीक्षा केंद्र डीएवी कोरबा तथा डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल पोड़ी उपरोड़ा का परीक्षा केंद्र डीपीएस बालको को बनाया गया है।

चरित्र शंका को लेकर पत्नी पर किया हमला बीच बचाव करने पहुंची मां व बहन भी घायल

जांच पड़ताल करती पुलिस।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

चरित्र शंका को लेकर एक पति ने अपनी पत्नी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। पत्नी की चीख पुकार सुनकर बीच बचाव करने पहुंचे उसकी मां और बहन पर भी उसने धारदार हथियार से ताबड़तोड़ वार कर उन्हें गंभीर रुप से घायल कर दिया। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच बचाव कर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल रवाना किया। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आरोपी पति की तलाश शुरु कर दी है।

कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित वैष्णव मंदिर के समीप निवासरत रामेश्वर साहू ने चरित्र शंका के चलते अपनी पत्नी सुकृता पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंची उसकी माँ और बहन को भी आरोपी रामेश्वर साहू ने गंभीर रूप से घायल कर दिया। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसियों ने घर में घुसकर बीच बचाव किया और घायलों को उपचार के लिए जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जहां पत्नी सुकृता की हालत नाजुक बताई जा रही है। सूचना ⏭शेष पेज 3 पर

खास बातें

- कोतवाली थाना क्षेत्र के वैष्णव मंदिर स्थित बस्ती का मामला
- आरोपी पति को पुलिस ने किया गिरफ्तार, पूछताछ जारी

उद्योग मंत्री के प्रयासों से शहर में गौरव पथ के लिए 36 करोड़ 54 लाख की मिली स्वीकृति

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत कोरबा शहर के विकास को एक नई दिशा के साथ एक बड़ी सौगात मिली है। कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन के प्रयासों से 36 करोड़ 54 लाख रुपये की लागत से बनने वाले गौरव पथ को राज्य सरकार ने प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा जिस गौरव पथ की निर्माण कार्य की स्वीकृति दी है वह शहर के सीएसईबी चौक से जैन चौक तथा आईटीआई चौक से कोसाबाड़ी चौक तक बनाया जाएगा, जिससे शहर में यातायात सुगम होगा और नागरिकों को आधुनिक सड़क सुविधा मिलेगी। 2.8 किलोमीटर लंबे गौरव पथ के लिए कुल 36 करोड़ 54 लाख करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके अंतर्गत 25 करोड़ की राशि मुख्यमंत्री नगरोतथान योजना और शेष 11 करोड़ 54 लाख की राशि की स्वीकृति जारी हुई है। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने बताया कि उक्त महत्वपूर्ण कार्य से शहर की यातायात व्यवस्था और सुदृढ़ होगी। शहर के मुख्य मार्ग पर आवागमन को नई रफ़्तार मिलेगी। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और वित्त मंत्री ओपी चौधरी का आभार व्यक्त किया।

लखनलाल देवांगन

खास बात

- मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना से 25 करोड़ और जिला खनिज न्यास मद से 11 करोड़ 54 लाख की मिलेगी राशि

तेज रफ्तार ट्रेलर घुसा मकान में, गर्भवती महिला की मौत

सड़क में चक्काजाम करते ग्रामीण।

ग्रामीणों को समझाइश देते पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

मुड़ापार बाजारपारा में बलौदा की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और वाहन सड़क किनारे स्थित मकान में जा घुसा। घर में बर्तन धो रही गर्भवती महिला वाहन की चपेट में आ गई और इस हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजा व अन्य मांगों को लेकर चक्काजाम शुरु कर दिया। चक्काजाम की वजह से मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई और सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलने पर हरदीबाजार पुलिस की टीम व आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और चक्काजाम कर रहे ग्रामीणों को समझाइश का प्रयास किया गया।

हरदीबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुड़ापार बाजारपारा में भोलाराम सूर्यवंशी अपने परिवार के साथ निवास करता है। भोलाराम की बड़ी बहू रोज की तरह खाना खाने के बाद बर्तन धो रही थी। शनिवार लगभग 3 बजे बलौदा की ओर से आ रहे ट्रेलर क्रमांक सीजी 10 बीपी 5301 के ड्राइवर ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ट्रेलर को सड़क किनारे स्थित भोलाराम सूर्यवंशी के घर जा घुसा। इस हादसे में घर के अंदर बर्तन धो रही गर्भवती महिला शशि सूर्यवंशी उम्र 25 वर्ष पति गजपाल सूर्यवंशी को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यदर्शियों की मानें तो तेज रफ्तार ट्रेलर चालक वाहन पर अपना नियंत्रण खो बैठा और दीवाल को तोड़ता हुआ महिला पर चढ़ गया। हादसे की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि ट्रेलर मकान के एक बड़े हिस्से में तब्दील करते हुए मकान के अंदर तक घुस गया। इस हादसे में गर्भवती शशि सूर्यवंशी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना का सुखद पहलु यह रहा है कि घर के आंगन में खेल रहे दोनों बच्चों को किसी तरह की चोट नहीं पहुंची है। अन्यथा किसी बड़ी अनहोनी से इनकार नहीं किया जा सकता था। घर के अंदर ट्रेलर घुसने से आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने मृतिका शशि सूर्यवंशी के आश्रितों को तत्काल उचित मुआवजा दिए जाने सहित कोयला परिवहन करने वाले भारी वाहनों की गति सीमा निर्धारित करने, रिहायशी इलाकों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और दुर्घटनाकारित ट्रेलर चालक के खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्यवाही की ⏭शेष पेज 3 पर

खास बातें

- हरदीबाजार थाना क्षेत्र के ग्राम मुड़ापार बाजारपारा का मामला
- बलौदाबाजार से हरदीबाजार आ रही थी तेज रफ्तार ट्रेलर

पाली महोत्सवः उपमुख्यमंत्री, मंत्री के आतिथ्य में होगा शुभारंभ

मीत ब्रदर्स, खुशबू ग्रेवल, कनिका कपूर और अनुज शर्मा के गीतों से सजेगी शाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर पाली महोत्सव का आयोजन 15 एवं 16 फरवरी को ग्राम पंचायत केराझरिया स्थित पाली महोत्सव मैदान में किया जाएगा। जिला प्रशासन ने आयोजन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। दो दिवसीय यह महोत्सव धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक संगीत का भव्य संगम प्रस्तुत करेगा।

15 फरवरी को शाम 7 बजे पाली शिव मंदिर घाट में शिव आरती और दीपोत्सव का आयोजन होगा। पाली महोत्सव के शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास, खेल व युवा कल्याण मंत्री अरुण साव शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाणिज्य, श्रम, उद्योग, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखन लाल देवांगन करेंगे। समारोह में सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरण दास महंत, विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल, विधायक पाली-तानाखार तुलेश्वर हीरा सिंह मरकाम, विधायक रामपुर फूलसिंह राठिया, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार सिंह, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती निकिता मुकेश जायसवाल, नगर पंचायत पाली के अध्यक्ष अजय जायसवाल तथा ग्राम पंचायत केराझरिया की सरपंच श्रीमती गिरजा सत्यनारायण पैंकरा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। शुभारंभ अवसर पर बॉलीवुड के लोकप्रिय गायक मीत ब्रदर्स, खुशबू ग्रेवल और सलमान अली अपने गीतों से समां बांधेंगे। छत्तीसगढ़ी कलाकार दीपक साहू और छत्तीसगढ़ी गायक ऋषिराज पांडेय द्वारा छत्तीसगढ़ी कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। इस दौरान कठपुतली नृत्य भी आकर्षण का केंद्र रहेगा। पाली महोत्सव के अवसर पर युवाओं के उत्साह को प्रोत्साहित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा 15 फरवरी को साइकिल रेस प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में समापन संध्या में छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय गायक अनुज शर्मा अपनी सुमधुर प्रस्तुति देंगे। साथ ही बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर अपने चर्चित गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगी। साथ ही लवली शर्मा द्वारा सितार वादन, स्थानीय कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा कठपुतली नृत्य की प्रस्तुति भी दी जाएगी।

फाइल फोटो

अवैध कब्जे पर एसईसीएल का चला बुलडोजर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एसईसीएल अस्पताल बांकीमोंगरा के समीप स्थित शासकीय भूमि पर कुछ लोगों के द्वारा अवैध निर्माण कार्य कर कब्जा किया जा रहा था। सूचना मिलने पर एसईसीएल के अधिकारियों के निर्देश पर विभागीय कर्मचारी सुरक्षा गार्ड तुलसीराम साहू, सहयोगी कौशिल्या बाई, सावित्री बाई, मनोज गोपाल के साथ टीम बनाकर जेसीबी के साथ घटनास्थल रवाना किया, जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी से बेजा कब्जा हटाकर जमीन को मुक्त कराया गया। विभाग के वापस जाने के बाद ही फिर से अतिक्रमण निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया, जिसकी सूचना पर पुनः शाम को एसईसीएल विभाग के कर्मचारी पहुंचे जहां अवैध निर्माण कार्य रोकने के लिए मना किया गया तो माखन लाल, जाम बाई और रीता महंत के द्वारा गाली गलौच करने लगे। जिसके बाद एसईसीएल गार्ड तुलसीराम साहु पिता स्व दाताराम साहू की लिखित शिकायत पर बांकीमोंगरा पुलिस ने माखन लाल यादव, जाम बाई, रीता महंत के विरुद्ध 296, 351 (3), 221, 224, 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

खास बात

- विवाद करने वाले बेजाकब्जाधारियों के खिलाफ अपराध दर्ज

तेज रफ्तार से थका मन चाहे सुकून भरी स्लो लाइफ

पिछली एक सदी में तकनीकी विकास में क्रांति के साथ ही लोगों की जीवनशैली भी बहुत तेज रफ्तार वाली हो गई थी। लेकिन कोविड के बाद से लोगों की सोच बदलने लगी और जल्दी से सब कुछ पा लेने के बजाय जीवन में सुकून को तरजीह देने लगे हैं। यही वजह है कि पूरी दुनिया में अब लोग तेज रफ्तार से ऊबकर स्लो लाइफ की तरफ धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

एक समय तक 'तेज रफ्तार' होना, रोमांच का सबब माना जाता था, कामयाबी की निशानी थी। इसलिए अधिकांश लोग तेज-तेज और तेज की तरफ पिछली लगभग एक सदी से दौड़ते रहे हैं। इस भागम-भाग में वाकई इंसान ने अपनी जिंदगी की रफ्तार बहुत तेज कर ली। फास्ट इंटरनेट, बुलेट ट्रेन, आवाज की गति से उड़ते हवाई जहाज, इंस्टेंट अपडेट और कुछ महीने या साल में ही करियर की बुलंदी छूना, ये सब इसी तेज रफ्तार के उदाहरण हैं। लेकिन बीते कुछ समय से अब अधिकतर इंसान इस तेज रफ्तार जिंदगी को रोमांच की बजाय आफत का सबब मानने लगे हैं। यही कारण है कि अब दुनिया, तेज रफ्तारी से रोमांचित नहीं है बल्कि स्लो लाइफ की तरकीबें खोज रही है। अमेरिका से लेकर अफ्रीका तक आज स्लो लाइफ न्यू लाइफस्टाइल बन रही है, क्योंकि लोग मशीन बनने से थक चुके हैं, अब वे थोड़ा ठहरकर जीना चाहते हैं।

क्यों लौट रहे हैं धीमे की ओर: पूरी दुनिया में लोग स्लो लाइफ की तरफ लौट रहे हैं, तो इसकी वजह है कि पिछले कई दशकों के भागम-भाग के कारण परिवार की संरचना कमजोर होती जा रही है। फोन आपको किसी क्षण बेफिक्र नहीं होने देता, फुर्सत में नहीं रहने देता। नए-नए रेडीमेड पकवानों की कुछ मिनटों में सप्लाई ऐसे होने लगी है कि लोग अपने स्वाद का स्थाई सुख ही भूल गए हैं। नींद अब दुनिया की सबसे बड़ी नियामत बन चुकी है और सबसे बड़ी बात यह है कि इंसान खुद को ही भूलने लगा है। यही वजह है कि अब अमेरिका हो या एशिया, अफ्रीका और यूरोपीय देश के लोग परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। कुछ घंटे या हफ्ते में एक दिन कम से कम बिना फोन के रहना चाहते हैं। कभी आराम से धीरे-धीरे पकाकर अपनी मनपसंद डिश खाना चाहते हैं और चाहते हैं कि कम से कम हफ्ते का एक दिन तो ऐसा हो, जब सोकर जगने का टाइमर सेट न हो। इस सबके बीच लोग अब अपने साथ भी कुछ घंटे, कुछ दिन बिताना चाहते हैं, इसलिए लोग तेज रफ्तार को छोड़कर धीमी और सुकून भरी जिंदगी की तरफ लौटना चाहते हैं।

स्लो लाइफ का सही मतलब: भले ही एक दौर में धीमी रफ्तार, आलस्य का पर्याय मानी जाती रही हो, लेकिन आज जब फास्ट लाइफ को विश्व स्वास्थ्य संगठन बर्नआउट और डिप्रेशन का सबसे बड़ा कारण बता रहा है, तब पूरी दुनिया में स्लो लाइफ या धीमे जीवन की ओर बढ़ने को आलस्य की निशानी नहीं बल्कि नई चेतना का पर्याय माना जा रहा है। वास्तव में स्लो लाइफ का मतलब काम को अधूरा छोड़ देना नहीं है। जीवनशैली से समझौता नहीं है और न ही स्लो लाइफ का मतलब घर में पड़े रहना है बल्कि स्लो लाइफ का मतलब है कम लेकिन अर्थपूर्ण काम करना। स्लो लाइफ का मतलब है डिजिटल डिवाइसेस से घिरे न रहना। बीच-बीच में पूरी तरह से डिजिटल डिटॉक्स होना। स्लो लाइफ का मतलब है स्थानीय जीवन का आनंद लेना और पारिवारिक जीवनशैली का लुत्फ उठाना। स्लो लाइफ का मतलब है, अपने पीढ़ियों पुराने व्यंजनों का आनंद लेना और प्रकृति से भरपूर जुड़ाव रखना। स्लो लाइफ का मतलब है रिश्तों की गुणवत्ता बढ़ाना, न कि उनकी संख्या बढ़ाना। और स्लो लाइफ का एक अंतिम मतलब है हर पल उपलब्ध होने की मजबूरी से मुक्त होना।

दुनिया इसलिए थकी रफ्तार से: द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से लगातार दुनिया तेज रफ्तार जीवनशैली को कामयाबी और स्टेटस सिंबल की तरह पेश करती रही है, तो सवाल है फिर आखिर 21वीं सदी के दो दशक बाद आकर दुनिया का तेज रफ्तारी से मोहभंग क्यों हो गया? इसके पीछे कई महत्वपूर्ण कारण हैं। कोविड के बाद लोगों को जिंदगी की असलियत का एहसास हो गया है कि चाहे जितनी बड़ी कामयाबी हो, चाहे जितनी सुख-सुविधाएं हों और चाहे जितनी संपन्नता हो, लेकिन अगर प्रकृति खफा हो गई, तो जिंदगी की कोई कीमत नहीं रहती। पल भर में सारी कामयाबी, सारी तेज रफ्तारी धरी की धरी रह जाती है। कोविड ने एहसास कराया कि जीवन अस्थायी है। लोग पहली बार जीवन के अस्थायीपन और नश्वरता से दो-चार हुए। यही वह समय था, जब बिना दफ्तर गए भी नौकरी कर सकने का विकल्प हासिल हुआ। जी हां, वर्क फ्रॉम होम ने लोगों को बताया कि अगर दफ्तर न जाना पड़े तो भले एक घंटे ज्यादा भी काम करना पड़े, लेकिन दफ्तर के रास्ते के जोखिम, तनाव और अनुपयोगी समय से बच सकते हैं। कोविड ने लोगों को डिजिटली ओवरलोड कर दिया। लगातार मीटिंग्स, सोशल मीडिया की इंगेजमेंट और नोटिफिकेशंस का सिरदर्द लगातार पेशंस की परीक्षाएं लेती रही और अंततः लोग इस तेज रफ्तारी से आजीज आ गए।

शहरों से गांव की तरफ वापसी: पूरी 20वीं सदी में और 21वीं सदी के पहले लगभग दो दशकों तक पलायन का मतलब गांव से शहर की ओर जाना ही होता रहा है। लेकिन कोविड के बाद यूरोप में 16 प्रतिशत और अमेरिका में 6 प्रतिशत लोग शहर छोड़कर गांवों में बस गए। भारत में भी उच्च आयवर्ग के 2 प्रतिशत लोग न सिर्फ बड़े शहरों को छोड़कर अपनी जड़ों की ओर रहने के लिए लौटे बल्कि जो पारंपरिक रूप से अपने गांवों या पैतृक स्थानों में नहीं गए, वे भी तेज रफ्तार महानगरों को छोड़कर स्लो मोशन की जिंदगी वाले जंगलों, पहाड़ों के बीच में गांव या गांवनुमा कस्बों की ओर रुख कर गए। मेट्रो शहरों में डेढ़ से दो फीसदी लोग छोटे शहरों या कस्बों की तरफ लौटे। हालांकि भारत में शहरों से गांव की ओर वापसी का आंकड़ा लगभग न के बराबर रहा, क्योंकि भारत के गांव सामान्य सुख-सुविधा वाली जिंदगी के अनुकूल नहीं हैं। इसलिए भारत में बड़े लोग या तो पहाड़ों में बसे छोटे शहरों या कम औद्योगिक और धुर खेतिहर इलाकों के कस्बों की तरफ लौटे। कोविड के बाद ही लोगों ने अपनी छतों पर बागवानी का रोमांच महसूस करना शुरू किया। स्थानीय बाजारों की वापसी हुई, पारंपरिक जीवनशैली में योग और ध्यान की हिस्सेदारी बढ़ी और मानसिक स्वास्थ्य को भी महत्वपूर्ण माना जाने लगा। इससे लोगों ने नींद का सुख महसूस किया, खुद उगाकर सब्जियां खाईं तो स्वाद के साथ आत्मसंतोष महसूस किया, रिश्तों में स्थायित्व और हार्मोनल हेल्थ में बेहतरी का एहसास किया। इसलिए स्लो लाइफ की रेटिंग जो हमेशा फास्ट लाइफ से नीचे रहती थी, पहली बार उससे ऊपर हुई।

कुछ भ्रम भी टूटे: दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से ही पूरी दूनिया में यह मान लिया गया था कि स्लो लाइफ का मतलब है- धीमा उत्पादन, धीमा पूंजी निर्माण, मतलब गरीबी और बदहाली। लेकिन कोविड के दौरान और उसके बाद स्लो लाइफ का मतलब यह नहीं रहा। लोगों की सोच में बदलाव आया। कोविड के बाद की स्लो लाइफ ने दुनिया को दिखाया कि धीमे होने का मतलब नाकारा होना नहीं है। धीमे होने का मतलब अर्थव्यवस्था का नुकसान नहीं है और न ही धीमे होने का मतलब उत्पादनहीनता है। स्लो जीवनशैली ने ज्यादा संतुष्टि दी और बेचैन उपभोगवाद पर लगाम लगाया। सबसे बड़ी दौलत रिश्तों में आई गर्मजोशी से मिली। लब्बोलुआब यह कि लोगों को, मजबूरी और उदासीनता में शुरू की गई स्लो लाइफ रास आ गई और अब धीरे-धीरे इससे मोहब्बत बढ़ती ही जा रही है। *

स्लो लाइफ की तरफ धीरे-धीरे बढ़ने के तरीके

- हर दिन 30 मिनट किसी भी तरह की स्क्रीन से दूर रहें। चाहे टीवी की स्क्रीन हो, मोबाइल की या लैपटॉप की। इस दौरान फोन से नहीं, आस-पास की दुनिया से जुड़ें।
- सप्ताह में कम से कम एक दिन ऐसा रखें, जिसकी पहले से कोई प्लानिंग न हो। एक तरह से इस दिन को कुछ न करने की मस्ती का दिन बनाएं यानी नो प्लान डे।
- पैदल चलना सीखें। एक जमाने में आम आदमी हर दिन कम से कम 5-7 किलोमीटर पैदल चलता था। अब कई लोग ऐसे हैं, जो घर से बाहर सौ मीटर भी हर दिन पैदल नहीं चलते। अगर स्लो लाइफ का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो फिर से पैदल चलने की तरफ लौटें। पैदल चलने से मन भी प्रसन्न रहता है और तन भी स्वस्थ रहता है।
- काम की सीमाएं तय करें। दिन में निश्चित घंटों तक ही काम करें और हर दिन के काम की एक मात्रा तय कर लें। यह नहीं कि जब तक जग रहे हैं, काम करते रहें।
- धीमी जिंदगी का रोमांच महसूस करने के लिए दुनिया से भले कम जुड़ें, पर अपने आपसे दोस्ती जरूर करें। खुद से दोस्ती करना भी एक अव्यक्त सुख की स्थिति में रहना है।

ह्यूमन नेचर
शैलेंद्र सिंह

आमतौर पर माना जाता है कि इंट्रोवर्ट स्वभाव के लोगों में आत्मविश्वास और योग्यता की कमी होती है। जबकि यह केवल अलग तरह की एक पर्सनालिटी होती है। इस पर्सनालिटी के कुछ फायदे हैं तो वहीं कुछ नुकसान भी हैं।

न तो वीकनेस-न ही बीमारी अलग होती है इंट्रोवर्ट पर्सनालिटी

आधुनिक मुखर और सोशल मीडिया प्रधान समाज में अंतर्मुखी यानी इंट्रोवर्ट होना अकसर गलतफहमियों का विषय बन जाता है। जबकि अनेक वैज्ञानिक शोध यह साबित करते हैं कि अंतर्मुखी होना न तो किसी तरह की कोई कमजोरी है और न ही बीमारी। हांस आइजेंक के व्यक्तित्व सिद्धांत के मुताबिक अंतर्मुखी और बहिर्मुखी होना व्यक्तियों में मस्तिष्क की उत्तेजना के अलग-अलग स्तरों का होना है। अंतर्मुखी लोगों का बेसलाइन पहले से अधिक होता है, इसलिए वे शोर, भीड़ और अत्यधिक सामाजिक उत्तेजना से जल्द थक जाते हैं। इसलिए वह बहिर्मुखी लोगों के विपरीत ऐसी तमाम स्थितियों में शांत और खुद तक सीमित रहते हैं। यह उनकी मात्र जैविक वास्तविकता होती है।

मुखर दौर में शांत लोग: आज के तेज आवाजों या शोरगुल से भरे दौर में कई बार अंतर्मुखी लोग खुद को हाशिए पर महसूस करने लगते हैं। लेकिन अगर अंतरराष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक शोधों की नजर से देखें तो अंतर्मुखी लोगों का यह हाशियाकरण उनकी अक्षमता नहीं बल्कि समाज की अपेक्षाओं का नतीजा है। इसलिए जेरोम कगन और हांस आइजेंक जैसे वैज्ञानिकों ने अपने शोध के जरिए साबित किया था कि अंतर्मुखी होना कोई ऐसा व्यवहार नहीं होता, जिसे लोग सीखें या उनमें वह परवरिश के कारण आए। इनके मुताबिक वास्तव में अंतर्मुखी होना एक किस्म की जैविक संरचना से जुड़ा तथ्य है, क्योंकि अंतर्मुखी लोगों का नर्वस सिस्टम दूसरे सामान्य लोगों के मुकाबले कहीं अधिक संवेदनशील होता है। लेकिन आधुनिक दौर में एक्सट्रोवर्ट यानी बहिर्मुखी लोगों को ही आदर्श मान लिया जाता है। इसके विपरीत इंट्रोवर्ट लोगों को महत्व और मान्यता नहीं दी जाती, जो महत्व और मान्यता बहिर्मुखी लोगों के खाते में आती है और इसकी शुरूआत बचपन से ही पहले घर में और फिर स्कूल में हो जाती है। वहां शांत रहने वाले बच्चों को उपेक्षित किया जाता है, भले ही वह कितना भी योग्य क्यों न हो। इसके बाद कॉर्पोरेट दफ्तरों में भी लीडर वही माना जाता है, जो ज्यादा बोलता हो और किसी भी तरह के मामले में त्वरित प्रतिक्रिया करता हो। जबकि कई बार संकट के समय अंतर्मुखी लोग ज्यादा बेहतर निर्णय लेते हैं। खासकर अगर वैज्ञानिकों, लेखकों आदि से जुड़ा कार्य हो। अडम ग्रांट ने अपने शोध से साबित किया कि प्रो-एक्टिव टीमों में अकसर ऐसे लीडर ज्यादा सफल होते हैं।

इंट्रोवर्ट होने के फायदे: इंट्रोवर्ट पर्सनालिटी होने के कई फायदे होते हैं। जैसे-अंतर्मुखी लोगों में गहन सोच और निर्णय क्षमता होती है। ये किसी भी विषय पर अकसर जानकारियों को बहुत गहराई तक प्रोसेस करते हैं और जल्दी में निर्णय लेने से बचते हैं। इसलिए उनके निर्णय अधिकतर सफल, सुरक्षित और सुलझे हुए होते हैं। यही कारण है कि रचनात्मक और जटिल कामों में उनकी गुणवत्ता उच्च स्तर की होती है। ऐसे लोगों में सुनने और सहानुभूति की क्षमता बहिर्मुखी लोगों से ज्यादा होती है। अंतर्मुखी लोग बेहतर श्रोता होते हैं, जिससे रिश्तों में विश्वास और गहराई बनती है। टीम लीडरशिप में यह गुण सहकर्मियों के हुनर को बाहर निकालने में मदद करता है। अंतर्मुखी लोगों में अकेले में लंबे समय तक काम करने की क्षमता और फोकस में बने रहने की प्रवृत्ति होती है। इस कारण ऐसे लोग अनुसंधान, लेखन, डिजाइन जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में काफी सफल होते हैं।

इंट्रोवर्ट होने के नुकसान: इस स्वाभाव के कारण इन लोगों में कुछ खामियां भी देखी जाती हैं। मसलन- अकसर ऐसे लोग वर्बल नेटवर्किंग, पब्लिक फेसिंग जॉब्स, सेल्स या राजनीतिक भूमिकाओं में फिट नहीं बैठते। ऐसी जगहों में अव्वल तो ये आते ही नहीं और आते हैं तो सफल नहीं होते हैं। दुनिया में कई काम और कई गतिविधियां ऐसी होती हैं, जो खुले रूप से बातचीत और आत्मप्रचार को तरजीह देती हैं। इस मामले में ये कमजोर पड़ते हैं। कई अध्ययनों में यह सामने आया है कि ऐसे लोगों में

अवसाद या अकेलेपन से घिरने का जोखिम बना रहता है। लेकिन यह सभी अंतर्मुखी लोगों के लिए सच नहीं होता। आज के मुखर युग में शांत या गंभीर रहना अकसर आत्मविश्वास की कमी समझ लिया जाता है। इसलिए आज के दौर में ऐसे लोग कई बार प्रमोशन पाने, मान्यता हासिल करने और सार्वजनिक मंचों पर अपनी कामयाब उपस्थिति बनाने में नाकाम रहते हैं। *

वासंती दोहे
घमंडीलाल अग्रवाल

टेसू की सरगम छिड़ी

धरती ने सज-धज किया, दुलहन-सा शृंगार।
पीत-वसन से झांकता, मानो पहला प्यार।।
जगा रही है कोकिला, मन में मीठी हूक।
गोरी पी की बाट में, बैठी बन कर मूक।।
भ्रमर सभी हैं पी रहे, फूलों का मकरंद।
पंचम सुर में गूंजते, खुशियों वाले छंद।।
धीमे-धीमे नशे में, पवन चले है खूब।
प्राणी-प्राणी जा रहा, अजब नशे में डूब।।
उर में जागी आग-सी, अंग-अंग उन्माद।
संग उन्हें भी आज लाए जा री सौतन याद।।
कण-कण से गायब हुआ, सर्दी का आतंक।
मुस्कानों ने पा लिए, सबसे ज्यादा अंक।।
धूप कुनमुनी डोलती, गरमाया परिवेश।।
मधुर गंध का बांटता, हर उपवन संदेश।।
सरसों रानी पर चढ़ा, यों यौवन का रंग।
ठुमक-ठुमक कर बोलती, चली पिया के संग।।
बैरागी मन पूछता, किसका है यह खेल।
मौसम का जादू चला, फली प्रीति की बेल।।
टेसू की सरगम छिड़ी, महुआ के हैं ठाठ।
जरा देखिए खुल गई, फगुनाहट की गांठ।।

व्यंग्य / अजय अनुरागी

अफसर की टांग

सुना था कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं, लेकिन देखा यह भी गया है कि कुछ अफसरों की टांग भी बहुत लंबी होती है। ऐसे ही एक अफसर की टांग दूर तक पसरी रहती थी। वह बैठता इस कक्ष में था, और टांग उस कक्ष तक फैलाए रखता था। कार्यालय के जिस कक्ष में जाओ वहीं अफसर की टांग घूमती नजर आती थी। अफसर जहां नहीं पहुंच पाता था, वहां भी उसकी टांग पहुंच जाती थी। कई बार अफसर से पहले उसकी टांग उपस्थित रहा करती थी। लोग अफसर से कम उसकी टांग से ज्यादा परेशान रहा करते थे। अब अफसर की टांगों में घंटी कौन बांधे भला!

टांग अफसर से भी ज्यादा चालाक थी। किसी को पास फटकने नहीं देती थी। अफसर की अनुपस्थिति में अफसर की टांग शासन किया करती थी। लोग चाहते थे कि अफसर टांग को थोड़ा लूज करें, तो चैन की सांस आ सके। हालांकि अफसर छोटा-मोटा था, लेकिन उसकी टांग बहुत बड़ी थी। उसकी टांग भरोसे लायक तो थी ही नहीं, फिर भी उस पर भरोसा करना पड़ता था। वह चालाक था और दूसरों की टांग को अपने हित में इस्तेमाल करना जानता था। इसलिए लोग अफसर की टांगों से अपनी टांगें बचाते फिरते थे, क्योंकि उन्हें डर था कि अफसर उनकी टांगों को अपनी टांगों में ना बदल डाले। अफसर टांग का बहुत कच्चा था, इसलिए अपनी टांग को हर जगह टांग कर ले जाता था। टांग के बिना कहीं जाता भी नहीं था। टांग ने इतना प्रभाव जमा लिया था कि अफसर प्रभावहीन होने लगा था। अफसर की दोनों टांगों की दो अलग-अलग परंपराएं थीं। मगर अफसर दोनों को साध लेता था। अकसर लोग अफसर की पहली टांग के भरोसे दूसरी टांग से धोखा खा बैठते थे।

अफसर की टांगों को लेकर लोगों में बड़ा कंफ्यूजन था। पता नहीं पड़ता था कि पहली कौन सी है और दूसरी कौन सी है? लोग जिसे पहली समझते थे, वह दूसरी निकलती थी। जिसे दूसरी समझते थे, वहां टांग होती ही नहीं थी। चालाक अफसर हर मुद्दे पर एक टांग को फंसा कर रखता था तथा दूसरी टांग को बचाकर रखता था। टांग विहीन अफसर नख-दंत विहीन शेर की तरह होता है, जो गुर्रा तो सकता है मगर दबोच नहीं सकता। वह अफसर ही क्या जिसके पास टांग न हो! वह टांग ही क्या जो अड़ना न जाने। अफसर की टांगों की करामात यह थी, कि पहली उठ जाती थी तो दूसरी बैठी रहती थी, और दूसरी उठ जाती थी तो पहली लेट जाती थी। अफसर चाहता था एक साथ, एक टांग, दो काम करती रहे, ताकि टांग की स्ट्रेटेजी कोई पकड़ ना पाए। टांग से परेशान लोग, टांग को उखाड़ फेंकने के लिए, एकजुट हुए। अंत में हुआ यह कि अफसर उखड़ गया, मगर उसकी टांगें नहीं उखड़ पाईं। *

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

शक

शाम को ऑफिस से घर लौटते ही पति हरीश से उपासना ने कहा, 'देखिए, रोज शाम को पता नहीं पिताजी कहां जाते हैं और देर तक लौटते हैं।' 'कहां जाएंगे पार्क के अलावा। वहां इनके हम उम्र लोग मिलते होंगे। बस उनके साथ ही गपशप करते होंगे।' हरीश ने जवाब दिया।

'नहीं मुझे ऐसा नहीं लगता पिताजी कहीं और ही जाते हैं और मुझसे रोज अलग-अलग तरह का नाश्ता बनवाते हैं।' उपासना ने बताया। 'तुम भी बेवजह पिताजी पर शक कर रही हो। जो उनकी इच्छा है उन्हें करने दो। मां के चले जाने के बाद उनकी इच्छाओं का ख्याल हम नहीं रखेंगे तो भला कौन रखेगा?' हरीश ने समझाया। उसी समय पिताजी कमरे के अंदर आए और बोले, 'बहू आज गर्मा-गर्म समोसे बनाकर पैक कर दो, मुझे जाना है।' 'जी पिताजी।' उपासना ने धीरे से कहा। समोसे लेकर जैसे ही पिताजी घर से निकले, उपासना भी छुपते हुए उनके पीछे-पीछे चल दी। एक-डेढ़ किलोमीटर चलने के बाद पिताजी एक वृद्धाश्रम के भीतर चले गए। 'अच्छा तो यह बात है। अपने किसी यार-दोस्त को खिलाने लाते हैं पकवान।' उपासना मन ही मन बुदबुदाई। फिर दावाजे की ओट लेकर खड़ी हो गई। पिताजी किसी के साथ बैठकर समोसे खाते हुए ठहाके लगाने लगे। 'अरे, यह आवाज तो बहुत जानी-पहचानी लग रही है। कौन हैं वो, जिसके लिए पिताजी रोज नाश्ता बनवाकर लाते हैं?' मन ही मन बुदबुदाते हुए उपासना ने कमरे के भीतर झांका। 'अरे यह क्या!' वह अवाक रह गई। उसके पैरों तले की जमीन खिसक गई। 'मेरे बाबूजी वृद्धाश्रम में!' खुद से कहकर वह रोने लगी। दरअसल, उपासना के बाबूजी पिछले एक महीने से वृद्धाश्रम में रह रहे थे, जिसकी खबर केवल हरीश के पिताजी को ही थी। इसलिए वे रोज उपासना और हरीश से बताए बिना अपने समधी से मिलने यहां आया करते थे। *

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

स्त्री के आंतरिक द्वंद्व की कहानियां

यह सही है कि बदलते समय के साथ परिवार और घर से बाहर भी स्त्री की भूमिका में बड़ा बदलाव आया है। मगर कमोबेश उसकी पीड़ा, घुटन और त्रासदियां अब तक नहीं बदलीं। हां, उसके रूप जरूर बदले हैं। वरिष्ठ लेखिका कल्पना मनोरमा ने अपने कहानी संग्रह 'एक दिन का सफर' में स्त्री के इसी बहुआयामी द्वंद्व को बड़ी बारीकी और मार्मिकता से उकेरा है। इन कहानियों में उन्होंने बेशुमार दबावों, तनावों से आहत स्त्री की पीड़ा को स्वर दिया है। संग्रह की कहानियां सशक्त होने के साथ ही समकालीन संदर्भों में प्रासंगिक भी हैं। इसमें आज के दौर की महिलाओं के संघर्ष को भी देखा जा सकता है।

इस संग्रह की पहली कहानी 'कितनी कैदें' के किरदार की घुटन, जैसे आत्मा को निर्ममता से छील कर लहूलुहान कर देती है। मर्यादा, इज्जत के नाम पर किस तरह बेटियां बिना अपराध के बलि पर चढ़ा दी जाती हैं, इस कटु सत्य को कहानी बड़े मार्मिक तरीके से बयां करती है। शीर्षक कहानी 'एक दिन का सफर' में नायिका के भीतर का द्वंद्व उसका अपना नहीं है। यह स्त्री का सामूहिक द्वंद्व है। वही द्वंद्व, जिसका सामना उसे बाहर-भीतर हर कहीं करना होता है। 'आखिरी सिगरेट' दांपत्य जीवन में प्रेम की लालसा में घुटती एक स्त्री मन की कहानी है तो 'गुनिता की गुड़िया' कैद से बाहर निकलने की एक स्त्री की छटपटाहट को बयां करती है। 'दुख का बोनसाई' मायके से लड़की के अटूट रिश्ते की कहानी है। ये कहानियां ऐसी हैं, जिनसे सहज ही हर स्त्री जुड़ाव महसूस करेगी। सटीक-जीवंत रूपकों के प्रयोग से भाषा जीवंत हो उठी है। कहानियों की भाषा ही नहीं कहन का शिल्प भी बेहतरीन है। *

पुस्तक: एक दिन का सफर, **लेखिका:** कल्पना मनोरमा,
मूल्य: 195 रुपए, **प्रकाशक:** अनन्य प्रकाशन, दिल्ली

खबर संक्षेप

बाल्को टाउनशिप स्कूल में मनाया गया मातृ पितृ पूजन दिवस

कोरबा। बालकोनगर के बाल्को टाउनशिप स्कूल में मातृ पितृ पूजन दिवस मनाया गया। यह दिन वैलेंटाइन डे (14 फरवरी) के विकल्प के रूप में मनाया जाता है, जो युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति की ओर मोड़ने का एक प्रयास है। यह जीवन भर बच्चों के लिए किए गए माता-पिता के मौन बलिदानों और त्याग के प्रति सम्मान व कृतज्ञता प्रकट करने का एक दिन है। यह बच्चों में माता-पिता के प्रति आदर, आज्ञाकारिता और विनम्रता जैसे अच्छे संस्कारों को विकसित करने का एक माध्यम है।

कल्चुरी पब्लिक स्कूल में हुआ आयोजन

कोरबा। कल्चुरी पब्लिक इंग्लिश हाइयर सेकेंडरी स्कूल झाबर दीपका में मातृ- पितृ दिवस मनाया गया। सभी छात्र छात्राओं ने अपनी अपनी सफलताओं और लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु अपने माता पिता को नमन किया। साथ ही पुष्पगुच्छ भेंट कर आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इसके साथ ही पूर्व प्राथमिक वर्ग से लेकर माध्यमिक वर्ग के विद्यार्थियों का यूनिट टेस्ट 4 का परिणाम और पेरेंट्स टीचर मीटिंग भी आयोजित किया गया। साथ ही साथ बोर्ड कक्षाओं के विद्यार्थियों और उनके पालकों से प्राचार्य द्वारा विशेष संवाद एवं वार्तालाभ.का आयोजन भी किया गया। तत्पश्चात हमारे देश के अमर शहीदों की शहादत को ध्यान रखते हुए उनको नमन किया गया, साथ ही उनकी अमरता और संघर्ष को सलामी भी दिया गया, पुलवामा अटैक में शहीद हुए सभी जवानों को श्रद्धांजलि दी गई।

राधेय विद्यापीठ स्कूल में मना मातृ-पितृ दिवस

कोरबा। राधेय विद्यापीठ इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल झाबर के प्रांगण मे शनिवार को मातृ-पितृ पूजन दिवस श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं की देखरेख मे आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय सांस्कृति और परिवारिक मूल्यों से जोड़ना तथा माता-पिता के त्याग, प्रेम और सम्पर्ण के प्रति कृतज्ञता प्रकट करना रहा। इस अवसर पर विद्यालय के सभी बच्चे अपने माता-पिता का फुल-माला, तिलक एवं आरती से विधिवत पूजा अर्चना एवं चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त किये। द्यिालय के समन्वयक योगेश मनहर ने कार्यक्रम मे आये सभी अभिभावकों, गणमान्य व्यक्तियों का सम्मान कर आभार प्रकट किये।

कलचुरी डिक्सेना सामाजिक भवन पाली केराझरिया में हुआ आयोजन

सर्ववर्गीय कलचुरी कलार समाज का सामाजिक सम्मेलन संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों को स्मृतिचिन्ह भेंट करते समाज की महिलाएं।

जायसवाल समाज अग्रणी समाज रहा है। लगातार हजारों सालों से कलचुरी समाज एवं अन्य वर्ग का कल्चुरियों का योगदान रहा है। सबसे बड़ा योगदान छत्तीसगढ़ के पक्ष में रहा। भगवान सहस्त्र बाहु की कृपा से राज महेश्वर से चलकर छत्तीसगढ़ में प्रवेश किये। तुमान को पहली राजधानी, उसके बाद रतनपुर को राजधानी फिर रायपुर को राजधानी बनाया गया। महानदी के उस पार 18 गढ़ उस पार को 18 गढ़ दोनों मिलकर छत्तीसगढ़ बनाया गया। लंबे समय तक शासन के बाद कलचुरी शासन काल खत्म हुआ। कल्चुरियों का योगदान छत्तीसगढ़ में हुआ।

उक्त बातें स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कल्चुरी भवन पाली केराझरिया में आयोजित कल्चुरी कलार समाज का सामाजिक सम्मेलन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोई ऐसा जगह नहीं है कि जो कि कलार समाज के लोग न रहते हो, अधिकांश लोग अलग-अलग सरनेम लिखते हैं और उनके नाम से जाने जाते हैं, जैसे जायसवाल कलार, सिंह, जैन, विश्राम भी लिखते हैं। पाली के शिव मंदिर 18 वीं शताब्दी में बनाया गया है, 12 सौ साल पहले की बात है। रतनपुर का इतिहास सभी को मालूम है। जहां-जहां पुराने मंदिर के अवशेष मिले, पुराना शिव मंदिर, पुराना महामाया मंदिर मिले वहां समझ जाना चाहिए कि कलचुरी वंश के संरचना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामगोपाल डिक्सेना सर्व वर्गीय कलार समाज अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि प्रशांत मिश्रा, कौनतेय जायसवाल, पवन सिंह, अजय जायसवाल, डॉ. शकुंतला जायसवाल, डॉ राजेंद्र जायसवाल, सत्यनाराय पैकरा, गिरिजा बाई सरपंच, मोनिका जायसवाल पार्षद, अशोक जायसवाल, सुरेंद्र जायसवाल, रमेश जायसवाल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान रामगोपाल डिक्सेना ने कहा कि सामाजिक भवन के लिए राशि उपलब्ध कराई जाए। कटघोरा जटगा मोड के पास भगवान सहस्त्र बाहु चौक एवं गार्डन के लिए सीएम द्वारा घोषणा किया गया था, परंतु अभी तक राशि नहीं आ पाया है। चौक की घोषणा स्वास्थ्य मंत्री के अनुरोध से हुआ। उस स्थान पर बेजा कब्जा हो गया है। प्रशांत मिश्रा सांसद प्रतिनिधि ने कहा कि यह क्षेत्र आदिवासी बाहुल क्षेत्र है , फिर भी समाज के 84 प्रतिनिधि जिले में विराजमान है। भगवान सहस्त्रबाहु की कृपा से आप लोगों को इतना दिए हैं कि किसी को मांगने की जरूरत नहीं है।

योग की कार्यशाला में बंदियों को मिला अवसाद से मुक्ति का मार्गदर्शन

योग का प्रशिक्षण लेते बंदी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

स्वच्छ मन एवं स्वच्छ तन की अवधारणा को लेकर आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान के द्वारा अपने साप्ताहिक योग कार्यशाला में आम लोगों को स्वच्छ जीवनशैली भौतिक व्यायाम और आध्यात्म के साथ योग की क्रियाओं के उपयोग से अवगत कराया जाता है। इसी कड़ी में संस्थान के द्वारा बीते एक सप्ताह से जिला जेल में योग कार्यशाला का आयोजन कर बंदियों को अवसाद से मुक्ति के लिए मार्गदर्शन दिया गया। एक सप्ताह तक चले इस योग कार्यशाला के दौरान योग प्रशिक्षक मेदनी प्रसाद मिश्रा, धर्मेंद्र यादव एवं सत्य प्रकाश गुप्ता के द्वारा बंदियों को प्रतिदिन सुबह योग की अनेक विधाओं से प्रशिक्षित किया जा रहा था। रोज सुबह प्रशिक्षण के लिए बंदी अपने निर्धारित समय पर कार्यशाला में शामिल हुआ करते थे। जिन्हें तीनों योग प्रशिक्षक के द्वारा एक सप्ताह तक बंदियों को योग का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही बंदियों के बीच उनके नैतिक परिवर्तन के लिए सुविचारों का आदान प्रदान करने के साथ उन्हें रोचक कहानियां भी प्रशिक्षकों के द्वारा सुनाई गई इस उद्देश्य से कि स्वच्छ तन और स्वच्छ मन के साथ शिक्षा का प्रसार भी बंदियों तक पहुंचे। प्रतिदिन सुबह कार्यशाला में सूर्य नमस्कार के साथ योग की सभी विधाओं का प्रशिक्षण प्रतिदिन 2 घंटे आयोजित किया जाता रहा। प्रशिक्षण उपरांत बंदियों के द्वारा योग प्रशिक्षकों से शारीरिक व्याधियों, होने वाली परेशानियों के निदान की भी जानकारियां ली। इस दौरान प्रशिक्षकों के द्वारा बंदियों की समस्याओं का निदान करने के साथ उन्हे खान पान के विषय की भी जानकारियां दी गई।

90 पंचायतों में लगे चौपाल

कोरबा। किसानों को लाभ से जोड़ने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा 11 फरवरी से 3 मार्च तक 20 दिवसीय ग्राम स्तरीय कृषक चौपाल अभियान संचालित किया जा रहा है। चौथे दिन 90 ग्राम एवं ग्राम पंचायतों में चौपाल आयोजित किए गए। चौपाल के दौरान किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, फार्मर रजिस्ट्री, किसान क्रेडिट कार्ड, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, एफपीओ से नए किसानों को जोड़ने, ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर दलहन, तिलहन और मक्का को बढ़ावा देने, प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना आदि की जानकारी दी गई।

कोरबा मार्केट

गुप्त रोग
विशेषज्ञ से स्त्री-पुरूष मिले 100% गारंटी
आयुर्वेद ईलाज
नामर्दी, शीघ्रपतन स्वप्नदोष, धातु, पतला, पेशाब के साथ धातु गिरना, जलन, छेटापन, टेढ़ापन, सिपलिस, गनौरिया, चर्मरोग इत्यादि सभी प्रकार के गुप्तरोग का ईलाज किया जाता है।
20 वर्षों से स्थाई
बिना ऑपरेशन गारंटी ईलाज अण्डकोष बवासीर, भगंदर
देशी, विदेशी लिंगवर्धक यंत्र उपलब्ध है।
मां सर्वमंगला क्लीनिक
डॉ. आर.के. बंगाली, नया बस स्टैंड रोड पर बंगाली चाल ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा मो. 9074665998

पृष्ठ 1 का शेष

चरित्र शंका को...

मिलते ही कोतवाली पुलिस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। वारदात की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों का बयान लेकर आरोपी पति को तत्काल गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक इस घटना को पति पत्नी का आपसी विवाद बताया जा रहा है। सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि आरोपी पति रामेस्वर साहू को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है। पड़ोसियों की मानें तो चरित्र शंका को लेकर अक्सर रामेश्वर साहू अपनी पत्नी से विवाद करता था। चरित्र शंका को लेकर ही उसने यह कदम उठाया होगा।

तेज रफ्तार ट्रेलर...

मांग करते हुए चक्काजाम शुरु कर दिया। ग्रामीणों ने साफ कह दिया कि जब तक ठोस कार्यवाही और मुआवजा का आश्वासन नहीं मिलता तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा। सूचना मिलने पर हरदीबाजार थाना प्रभारी प्रमोद कुमार डनसेना, कुसमुंडा थाना प्रभारी, दीपका थाना प्रभारी सहित तहसीलदार अभिजीत राजभानु मौके पर पहुंचे। वैधानिक कार्यवाही के बाद पुलिस ने महिला के शव को पीएम के लिए भेजा। पुलिस ने दुर्घटनाकारित ट्रेलर के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर उसकी तलाश शुरु कर दी है। हादसे के पीछे तेज रफ्तार को वजह माना जा रहा है। ग्रामीणों की मानें तो ट्रेलर चालक तेज रफ्तार से वाहन चला रहा था जिसकी वजह से वह वाहन पर अपना नियंत्रण खो बैठा और अनियंत्रित ट्रेलर मकान में जा घुसा।

PUBLIC NOTICE FOR CHANGE OF NAME OF MINOR CHILD
PUBLIC NOTICE

I RAMESHWAR PRASAD YADAV, Son of TIJRAM AHIR employed as Farmar residing at Bhairotal, Jethudafa, Gevra Basti, Korba, Tahsil-Katghora, Distt. Korba Chhattisgarh 495454 have changed the name of my minor daughter AMITA YADAV aged 14 Years and she shall hereafter be known as AMRITA YADAV.It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

RAMESHWAR PRASAD YADAV
SIGNATURE OF GUARDIAN

PUBLIC NOTICE FOR CHANGE OF NAME
PUBLIC NOTICE

I, hitherto known as NIRMALA wife of DAYAL SINGH residing at B/176/1, Kuchena, District Korba, Chhattisgarh-495454, have changed my name and shall hereafter be known as Nirmal Kaur.It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NIRMALA

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरीय हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉवरीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज
हड्डी एवं जोडों का दर्द • नसों का रोग
त्वचा एवं बालों का रोग • स्त्री रोग • मानसिक रोग
मूत्र संबंधी रोग • मधुमेह (डायबिटीज़) • नेत्र रोग
किडनी संबंधी रोग • पेट संबंधी विकार • थायराइड
अस्थमा • मोटापा • मांसपेशी का रोग
मल द्वार रोग विशेषज्ञ
प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरांत प्रतिपूर्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त

पाली महोत्सव
शुभारंभ समारोह-15 फरवरी 2026
(सायं-07.00 बजे)

मा.श्री विष्णुदेव साय
मुख्यमंत्री (छ.ग. शासन)

मा.श्री अरूण साव
उप मुख्यमंत्री (छ.ग. शासन)

मा.श्री लखनलाल देवांगन
उद्योग मंत्री (छ.ग. शासन)

मुख्य अतिथि
श्री अरूण साव
मान. उप मुख्यमंत्री,
लोक निर्माण,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी,
नगरीय प्रशासन एवं विकास,
खेल एवं युवा कल्याण मंत्री,
छ.ग. शासन

अध्यक्षता
श्री लखन लाल देवांगन
मान. मंत्री,
वाणिज्य,उद्योग ,
सार्वजानिक उपक्रम,
वाणिज्यिक कर (आबकारी)
श्रम,
छ.ग.शासन

विशिष्ट अतिथिगण
श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत
मान. सांसद,
लोकसभा क्षेत्र कोरबा
श्री प्रेमचंद पटेल
मान. विधायक,
विधानसभा क्षेत्र कटघोरा
श्री तुलेश्वर हीरा सिंह मरकाम
मान, विधायक
विधानसभा क्षेत्र पाली-तानाखार
श्री फूलसिंह राठिया
मान. विधायक,
विधानसभा क्षेत्र रामपुर
डॉ. पवन कुमार सिंह
मान. अध्यक्ष,
जिला पंचायत कोरबा
श्रीमती संजू देवी राजपूत
मान. महापौर,
नगर पालिक निगम कोरबा
श्रीमती निकिता मुकेश जायसवाल
मान. उपाध्यक्ष,
जिला पंचायत कोरबा
श्री अजय जायसवाल
मान. अध्यक्ष,
नगर पंचायत पाली
श्रीमती गिरिजा सत्यनारायण पैकरा
मान. सरंपच,
ग्राम पंचायत केराझरिया (पाली)

की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न होगा इस अवसर पर आप सपरिवार सादर आमंत्रित है...
सायं 7:00 बजे शिव मंदिर घाट में शिव आरती एवं दीपोत्सव
शुभेच्छु-समस्त जिलावासी ,कोरबा

खबर संक्षेप

लाइवलीहुड कॉलेज इको टूरिज्म स्पेसिफिक प्रशिक्षण संपन्न

कोरबा। भारत सरकार की रैंप योजना अंतर्गत सीएसआईडीसी के तत्वाधान में तथा छत्तीसगढ़ शासन की नई उद्योग नीति 2024–30 के अनुरूप लाइवलीहुड कॉलेज रामपुर में इको टूरिज्म सेक्टर का सेक्टर स्पेसिफिक प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में इको टूरिज्म की व्यापक संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को होम-स्टे, फार्म-स्टे, ग्रामीण पर्यटन, नाइट कैंपिंग, ट्रैकिंग जैसे उभरते क्षेत्रों की व्यवहारिक समझ प्रदान की गई। साथ ही आधुनिक मार्केटिंग तकनीकों, ब्रांडिंग, डिजिटल प्रमोशन, ग्राहक प्रबंधन एवं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के उपयोग पर विशेष सत्र आयोजित किए गए।

सामूहिक विवाह अंतर्गत 31 गरीब कन्याएं फिर बंधेगी परिणय सूत्र में

कोरबा। माँ सर्वमंगला देवी मंदिर परिसर दुरपा में पुनः 31 गरीब कन्याएं फिर से परिणय सूत्र में आबद्ध होंगे। माँ सर्वमंगला देवी मंदिर के राजपुरोहित नमन पाण्डेय (नन्हा महराज) ने जानकारी देते हुए बताया कि माता रानी की असीम कृपा से मंदिर परिसर में 31 गरीब कन्याओं का सामूहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए तैयारी प्रारंभ कर दी गई है और शीघ्र ही तिथि की घोषणा की जाएगी। श्री पाण्डेय ने बताया कि इस तरह का रचनात्मक और मानवीय प्रयास माता रानी की कृपा से ही संभव हो रहा है। यह आयोजन दूसरी बार हो रहा है। प्रथम बार 2 मार्च 2024 को सामूहिक नमः विवाह का आयोजन किया गया था, जो माता रानी की कृपा से अद्भूत सफल रहा, जिसमे प्रदेश के उप मुख्यमंत्री तथा कोरबा जिला प्रभारी मंत्री अरूण साव सपत्नीक आशीर्वाद देने पहुंचे थे। कोरबा विधायक एवं कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन सहित प्रदेश एवं कोरबा जिले की कई विभूतियां नवदम्पत्तियों को अपना शुभ आशीर्वाद दिया था। उक्त कार्यक्रम अपेक्षा से ज्यादा सफल रहा और इस बार भी कार्यक्रम को सर्वश्रेष्ठ बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को दी गई विदाई

कोरबा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिमगा विकासखण्ड पोड़ीउपरोड़ा में कक्षा बारहवीं के छात्र-छात्राओं को शुक्रवार को फेयरवेल कार्यक्रम आयोजित कर विदाई दी गई। विदाई समारोह में उपस्थित संस्था के प्राचार्य सतीश प्रकाश सिंह ने कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को आशीर्वचन देकर बोर्ड परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए तथा उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनायें प्रदान किये। इस अवसर पर प्राचार्य सतीश प्रकाश सिंह ने समस्त विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए विद्यालय में मिले शैक्षणिक ज्ञान के साथ दिए गए संस्कार, अनुशासन और आत्मविश्वास को हमेशा अपने जीवन मूल्यों में ग्रहण करने, परीक्षाओं में उच्चतम अंको के साथ सफल होनें तथा अपने सुनहरे भविष्य का निर्माण कर अपना व अपने परिवार, समाज का नाम रोशन करते हुए उत्कृष्ट कैरियर निर्माण करने एवं श्रेष्ठ नागरिक बनने के लिए प्रेरित किये। कार्यक्रम के प्रारम्भ में विद्यार्थियों ने प्राचार्य एवं गुरूजनों का पारम्परिक तिलक व आरती के साथ आत्मीय स्वागत किया। संस्था के कनिष्ठ छात्र-छात्राओं ने कक्षा 12वीं के अपने वरिष्ठ सहपाठियों का स्वागत कर उनको उपहार भेंट किये। इस दौरान व्याख्याता बद्री प्रसाद टंडन, दिव्या कुजूर, जाफरीन खान, मेलनकुमारी कंवर, रमाकांत कुसरों, उमाशंकर टोंडे, पुष्पा कुमारी, दीपक कुमारी, कर्मचारी खीखराम यादव,रूपसाय बिंझवार एवं सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

रेलवन ऐप से अनारक्षित टिकट बुकिंग हुई और भी किफायती

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

यात्रियों की सुविधा में निरंतर वृद्धि, सेवा गुणवत्ता में सुधार तथा डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन द्वारा एक नई एवं अत्याधुनिक मोबाइल एप्लीकेशन रेलवन शुरू की गई है। यह ऐप भारतीय रेल से जुड़ी विभिन्न सेवाओं को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराते हुए यात्रियों के लिए एक वन-स्टॉप डिजिटल सॉल्यूशन के रूप में कार्य कर रही है।

अलग खबर

रेलवन ऐप के माध्यम से यात्री अनारक्षित टिकट बुकिंग सहित अनेक आवश्यक रेल सेवाओं का लाभ सरल, सुरक्षित एवं त्वरित रूप से प्राप्त कर रहे हैं। यात्रियों को डिजिटल माध्यम अपनाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा रेलवन ऐप से अनारक्षित टिकट बुकिंग पर अतिरिक्त 3 प्रतिशत छूट लाभ भी प्रदान किया जा रहा है। डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के क्रम में रेलवन ऐप के माध्यम से सभी स्वीकृत डिजिटल भुगतान विकल्पों द्वारा अनारक्षित टिकट बुक करने पर यात्रियों को 3 प्रतिशत की छूट प्राप्त हो रही है। यह विशेष छूट 14 जनवरी से 14 जुलाई तक प्रभावी रहेगी। इस छूट का लाभ यूपीआई, मोबाइल वॉलेट, नेट बैंकिंग, डेबिट/क्रेडिट कार्ड, भीम ऐप सहित सभी स्वीकृत डिजिटल भुगतान माध्यमों के माध्यम से रेलवन ऐप पर की गई अनारक्षित टिकट बुकिंग पर मिल रहा है। इस सुविधा की जानकारी अधिकाधिक यात्रियों तक पहुँचाने के उद्देश्य से मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से तथा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर रेलवन ऐप एवं उससे जुड़ी सुविधाओं की जानकारी नियमित रूप से प्रसारित की जा रही है ताकि अधिक से अधिक यात्री इस सुविधा का लाभ उठा सकें। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री दिलीप सिंह ने बताया कि रेलवन ऐप यात्रियों के लिए एक आधुनिक, सुरक्षित और समग्र डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से रेलवे से जुड़ी अनेक सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गई है। यह ऐप न केवल यात्रियों के समय और संसाधनों की बचत करता है, बल्कि उन्हें एक पारदर्शी एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव भी प्रदान करता है। अनारक्षित टिकटों पर दी जा रही यह छूट डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यात्री सुविधाओं में रेलवे कर रहा विस्तार

खास बात

- 14 जनवरी से रेलवन ऐप से अनारक्षित टिकटों के डिजिटल भुगतान पर 3 प्रतिशत तक मिल रही छूट

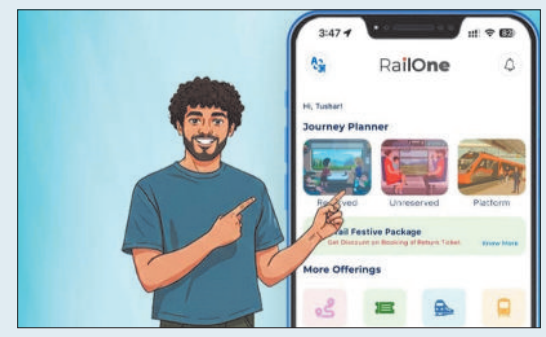

उत्पादन, पुर्नवास एवं स्थापना सहित की मॉनसून तैयारियों की समीक्षा

एसईसीएल के निदेशक ने मेगा प्रोजेक्ट्स गेवरा खदान का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एसईसीएल के निदेशक रमेश चंद्रा मोहापात्रा ने कंपनी के मेगा प्रोजेक्ट क्षेत्रों का दौरा कर उत्पादन, आधारभूत संरचना विकास, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (आरएंडआर) कार्यों और मॉनसून तैयारी की विस्तृत समीक्षा की।

एसईसीएल के निदेशक रमेश चंद्रा ने कुसमुंडा ओपन कास्ट प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया। इस दौरान डिपार्टमेंटल माइनिंग पैच, गोदावरी पैच और नीलकंठ पैच में चल रहे खनन कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा मानकों के पालन, उपकरणों की तैनाती और कोयला एक्सपोज़र की स्थिति की समीक्षा की गई। उन्होंने भारी भू-खनन मशीनरी के अधिकतम उपयोग, कड़े सुरक्षा अनुपालन और उत्पादन मानकों की निरंतर निगरानी पर जोर दिया, ताकि उत्पादन स्तर बनाए रखा जा सके। दौरे के दौरान उन्होंने नीलकंठ कैंप और जटराज स्थित पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन स्थल का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि आरएंडआर कार्य समयसीमा के भीतर और गुणवत्तापूर्ण अधोसंरचना के साथ पूर्ण किए जाएं। साथ ही कनबेरी के पास कुदुरमाल ब्रिज क्षेत्र में कनेक्टिविटी और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। निरीक्षण के बाद विभागाध्यक्षों, आरएंडआर ठेकेदार और आरआईटीईएस लिमिटेड के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें परिचालन प्रगति, अधोसंरचना विकास और तय समय में कार्य पूर्ण करने के प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा हुई। इसके बाद गेवरा मेगा प्रोजेक्ट के दौरे में एसईसीएल के निदेशक रमेश चंद्रा ने उत्पादन और उत्पादकता प्रदर्शन का आकलन किया। उन्होंने उत्पादन बढ़ाने, उपकरणों की उपलब्धता सुधारने और डाउनटाइम कम करने के निर्देश दिए। निदेशक श्री मोहापात्रा ने सभी संबंधित अधिकारियों को अग्रिम मॉनसून तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इसमें हॉल रोड और तटबंधों को मजबूत करना, पर्याप्त डी-वॉटरिंग सिस्टम की व्यवस्था, ढलान स्थिरता बनाए रखना और महत्वपूर्ण अधोसंरचना की सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल है, ताकि वर्षा ऋतु में भी संचालन निर्बाध जारी रह सके।

निरीक्षण करते एसईसीएल के अधिकारी।

त्रियुगी योग में होगी महाशिवरात्रि की पूजा, श्रद्धालुओं में उत्साह

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

माघ शुक्ल प्रदोष पर बन रहे विशेष त्रियूगी योग के संयोग में 15 फरवरी को महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस बार वारियान सहित तीन शुभ योग बनने से पर्व का महत्व और बढ़ गया है। कोरबा नगर व आसपास के शिवालयों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंदिरों में विशेष श्रृंगार, रुद्राभिषेक, भजन-कीर्तन और विविध अनुष्ठान होंगे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मंदिर समितियों और सामाजिक संगठनों द्वारा भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। नवीं शताब्दी में विक्रमादित्य द्वितीय द्वारा निर्मित ऐतिहासिक शिव मंदिर की महत्ता को रेखांकित करने के लिए जिला प्रशासन पाली में दो दिवसीय महोत्सव आयोजित कर रहा है। महाशिवरात्रि से प्रारंभ होने वाले इस आयोजन में स्थानीय कलाकारों को विशेष मंच दिया जाएगा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से धार्मिक व सांस्कृतिक संदेश प्रसारित किए जाएंगे। इस प्रकार, त्रियूगी योग के दुर्लभ संयोग में इस वर्ष की महाशिवरात्रि को विशेष और ऐतिहासिक माना जा रहा

शिवरात्रि के अवसर पर सजाया गया पाली शिव मंदिर।

भगवान शिवजी की विशाल प्रतिमा का अनावरण आज

जेसीआई कोरबा सेंट्रल, जेसीआई लीजेंड एवं जेसीरेट के संयुक्त तत्वाधान से कोरबा मोतीसागर-पारा स्थित मुक्तिधाम में 18 फीट ऊँची भगवान शिवजी की भव्य प्रतिमा स्थापित किया गया है जिसका अनावरण 15 फरवरी महाशिवरात्रि के दिन आयोजित होना है। संस्था के सचिव जेसी निश्चल टमकोरिया ने बताया कि इस गरिमामय अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री एवं कोरबा विधायक श्री लखनलाल देवांगन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। साथ ही कार्यक्रम में शहर के समाजसेवी, व्यापारी वर्ग सहित अन्य गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में शामिल होंगे। मुक्तिधाम परिसर में भगवान शिवजी की प्रतिमा को स्थापना का उद्देश्य यह है कि यहां आने वाले दिवंगत आत्माओं के परिजन उनके लिए श्रद्धापूर्वक प्रार्थना कर सकें तथा भगवान शिव की दिव्य कृपा से दिवंगत आत्माओं को शांति प्राप्त हो। साथ ही शोकाकुल परिवारों को मानसिक संबल, आध्यात्मिक शक्ति एवं आत्मिक शांति मिल सके। प्रतिमा की 18 फीट ऊँचाई एवं विशिष्ट स्वरूप की यह प्रतिमा कोरबा शहर तथा आसपास के क्षेत्रों में इस प्रकार की प्रथम स्थापना मानी जा रही है।

कृष्ण जन्म की कथा सुनकर झूमे श्रद्धालु

कथा सुनते श्रद्धालु एवं इनसेट में आचार्य।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

परमहंस स्वामी श्री शारदानंद सरस्वती महाराज की पावन स्मृति में एवं महामंडलेश्वर श्री हरिहरानंद सरस्वती महराज के सुखद सानिध्य में स्वामी भजनानंद वनवासी आश्रम केन्दई में चल रहे 45वां विष्णु महायज्ञ एवं श्रीमद भागवत कथा में आचार्य चन्द्रहास त्रिपाठी महराज कटघोरा ने श्रोतागणों को कृष्ण जन्म की कथा सुनाते हुए बताया कि महराज कंश अपनी बहन देवकी का विवाह वासुदेव से कराकर उन्हें अपने बहनोई के राज्य में छोड़ने के लिए निकल पड़ते हैं तभी रास्ते मे आकाशवाणी होती है कि हे कंश तुम जिस बहन से इतना प्रसन्न हो उसी बहन की आठवी सन्तान तुम्हारा काल होगा यह सुन कंश अचंभित रह जाता है और वापस अपने राज्य आकर अपने बहन व बहनोई को कारागार में डाल देने का हुक्म देते हैं कारागार में डालने के बाद कंश अपनी बहन का वध करने का निर्णय लेता है जिसकी जानकारी होने पर वासुदेव कंश से विनती करते हैं कि महराज देवकी को मारकर तुम्हे क्या मिलेगा तुम्हे खतरा उसकी आठवी सन्तान से है मैं तुम्हे वचन देता हूं कि बारी बारी सभी सन्तान की मैं स्वयं तुमारे हवाले कर दूंगा इस पर कंश मान जाता है और बारी बारी देवकी की पुत्रो की हत्या करने लगा तभी वो घड़ी आई और ठीक रात के 12 बजे स्वयं भगवान नारायण कृष्ण के बाल रूप में आठवीं संतान के रूप में जन्म लेते हैं। वासुदेव के हांथो में लगी बेड़ी अपने आप खुल जाती है। आकाशवाणी के बाद वासुदेव इस संतान गोकुल में नंदलाल के यहां छोड़ आते हैं। उसके पश्चास्त जब कंश को मालूम पड़ता है कि देवकी की आठवीं सन्तान ने जन्म ले लिया है तब उसका वध करने के लिए कारागृह में पहुंचता है मगर जब वासुदेव ने कंश को बताते हैं कि आठवी सन्तान तो लड़की हुई है ये भला तुम्हे कहा मारेगी मगर कंश कहा मानने वाला था उस कन्या रूपी योग माया को मारने की कोशिश करते हैं लेकिन मार नहीं पाते हैं।

जब भगवान कृष्ण ने तोड़ा इंद्र का घमंड : त्रिपाठी

45वां विष्णु महायज्ञ एवं श्रीमद भागवत कथा में आचार्य चन्द्रहास त्रिपाठी महराज ने श्रोतागणों को पांचवे दिन की कथा में गोवर्धन पूजा की कथा सुनाई। भगवान श्रीकृष्ण के द्वारा इंद्र के घमंड को तोड़ने के साथ गोवर्धन पर्वत पूजा के महत्व पर प्रकाश डाला। आचार्य श्री त्रिपाठी ने बताया कि एक बार जब कन्हैया घर में देखते हैं कि मैया यशोदा नए नए पकवान बना रही थी तब कन्हैया नंद बाबा से पूछते हैं कि बाबा आज क्या बात है मैया सुबह से ही रसोई घर में नए नए व्यंजन बना रही है तब नंद बाबा कहते हैं कि तुम्हारी मैया भगवान इंद्र को खुश करने के लिए 56 प्रकार के भोग तैयार कर रही हैं जिससे इंद्र देवता प्रसन्न होंगे और वर्षा करेंगे। तब कन्हैया नंदबाबा से कहते हैं कि बाबा ये तो इंद्र के हठ वाली बात है। पूजा करेंगे तो वर्षा होगी नहीं तो नहीं होगी। इससे अच्छे तो गिरिराज पर्वत हैं जो कम से कम हमारे गायों को हरी हरी घांस खाने को देते हैं। अब कोई भी गोकुलवासी उस घमंडी इंद्र की पूजा नहीं करेगा। सभी गिरिराज की पूजा करने के लिए चले जाते हैं। यह देख इंद्र काफी क्रोधित हो जाते हैं और इसे अपना अपमान समझ कर चारों ओर भारी मूसलाधार बारिश शुरू कर देते हैं। यह देख कन्हैया सभी से कहते हैं कि चिंता करने की कोई बात नहीं है आप सभी इस गिरिराज पर्वत के पास आ जाये फिर कन्हैया अपनी छोटी उंगली से विशालकाय गिरिराज पर्वत को उठा लेते हैं और कहते हैं कि सभी गोकुलवासी अपने अपने सामानों व गायों व परिवार को लेकर इस गिरिराज पर्वत के नीचे आकर अपनी जान की रक्षा करें। यह दृश्य देख इंद्रदेव का घमंड चूर चूर हो जाता है।

हाथियों ने मचाया उत्पात मकानों को किया क्षतिग्रस्त, दहशत में ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले में हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। कटघोरा वन मंडल में लगभग 40 हाथियों का झुंड ने दस्तक देकर ग्रामीणों में दहशत फैला दी। बीती रात हाथियों ने दस मकानों को क्षतिग्रस्त कर दिया है। इसके अलावा कुछ पालतू जानवरों को मौत के घाट उतार दिया है। हाथियों के उत्पात की वजह से गरीब परिवारों का आशियाना उजड़ गया और अब वे खुले आसमान के नीचे पेड़ों के सहारे रात गुजारने को मजबूर हैं।

उल्लेखनीय है कि कटघोरा वन मंडल में हाथियों झुंड विचरण कर रहा है। हाथियों का झुंड लगातार किसानों की फसल को नुकसान पहुंचा रहा है। हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया और गांव के लगभग दस मकानों को क्षतिग्रस्त कर दिया। हाथियों की खबर के कवरेज के लिए पहुंचे पत्रकार भी हाथियों की वजह से गांव में घंटों फंसे रहे। हाथियों ने गांव से बाहर निकलने वाले एक मात्र रास्ता को भी ब्लॉक कर दिया था। लगातार हो रहे नुकसान और समय पर मदद न मिलने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि हाथियों की मौजूदगी की जानकारी होने के बावजूद समय पर चेतावनी और सुरक्षा व्यवस्था नहीं की जाती। ग्रामीणों ने वन विभाग के द्वारा गठित किए गए हाथी मित्रदल और अमले की निगरानी संबंधित कोशिशों ने सवाल खड़े किए हैं कि मैदानी वन अमला कितना अलर्ट रहता है। पूरी रात इलाके में कोई जिम्मेदार अमला नजर नहीं आया। कटघोरा वनमंडल के जटगा रेंज अंतर्गत धोबीबारी में भी दो दिन पहले हाथियों के झुंड ने भारी तबाही मचाई।

खास बात

- ग्रामीणों ने हाथी मित्र दल व मैदानी अमले पर उठाया सवाल

हरिभूमि नं.1 आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें
टी.पी. नगर बी. ब्लॉक कामर्शियल
काम्पलेक्स, कोरबा मो. 7049267780

खनिज विकास निगम के अध्यक्ष ने गिनाई बजट की उपलब्धियां

केंद्र का बजट जनता के कल्याण के लिए : सौरभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

पत्रकारवार्ता में उपस्थित खनिज विकास निगम के अध्यक्ष, उद्योग मंत्री व अन्य।

खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह ने आज कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाया गया आम बजट जनता के कल्याण का बजट है। बजट के पैसे का उपयोग जनता के कल्याण के लिए किया जा रहा है। लगातार रिफार्म की प्रक्रिया चल रही है। इसी का परिणाम है कि भारत आज चौथे नंबर की इकोनॉमी बन गई है। अब बजट की आलोचना करने वाले मानने लगे हैं कि भारत की बढ़ती इकोनॉमी को।

सौरभ सिंह शनिवार को प्रेस क्लब तिलक भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुए बजट की उपलब्धियों की जानकारी दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों के सवालों के जवाब भी दिए। उन्होंने कहा कि इस बजट पर एक तरफ जहां रक्षा पर ज्यादा खर्च किया गया है वहीं दूसरी तरफ मेक इन इंडिया पर फोकस किया गगा है। जीडीपी का ग्रोथ भी लगातार 7 प्रतिशत बना हुआ है। उन्होंने कहा कि देश की जो उधारी कभी 17 लाख करोड़ हुआ करती थी आज घटकर 11 लाख करोड़ हो गई है। इनकम टैक्स के दाता भी बढ़े हैं इसके सिस्टम को सुधारा भी गया है। मूलभूत बदलाव आया है। छत्तीसगढ़ में खनिज और उद्योग विभाग मिलकर काम कर रहे हैं। सौरभ सिंह ने प्रदेश में 4 बड़ी रेल परियोजनाओं की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बजट में 4 बड़ी रेल परियोजनाओं का प्रावधान रखा गया है इस पर राशि भी जारी की गई है और इन पर अब काम शुरु हो चुका है। प्रदेश में जो पिछली सरकार थी उसके कार्यकाल में मेगा परियोजनाओं के काम रुके हुए थे। पत्रकारवार्ता में महापौर संजू देवी राजपूत, भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी, पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, जोगेश लांबा, पार्षद अशोक चावलानी, पार्षद हितानंद अग्रवाल उपस्थित थे।

स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारी गई है

पत्रकारवार्ता में उपस्थित उद्योग एवं वाणिज्य कर मंत्री लखन देवांगन ने कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधा में सुधार कार्य किया गया है। आयुष्मान की राशि भी जारी कर दी गई है। छोटे अस्पतालों को भी सुविधाएं दी जाएंगी। अस्पतालों को उद्योग का दर्जा दिया गया है। कोरबा में मेडिकल कालेज के भवन निर्माण का भी काम चल रहा है। इसी तरह ईएसआईसी अस्पताल में मरीजों को इलाज की सुविधा मिल रही है।

सम्भाग का प्रथम Hightech नेत्र अस्पताल
आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय
ZEPTO जेप्टो अमेरिकन (FDA) तकनीक द्वारा
भौतिवादिद का एडवांस फेको ऑपरेशन व लेंस प्रत्यारोपण
अब तक 1.50 लाख से अधिक सफल नेत्र आपरेशन पर मुख्यमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान

डॉ. एल.सी. मढ़रिया
MBBS,MS
नेत्र रोग विशेषज्ञ
एवं फेको सर्जन

डॉ. एश्वर्य मढ़रिया
MBBS, MS, FVR, LVP-Hydrabad
नेत्र रोग विशेषज्ञ
एवं रेटिना विशेषज्ञ

● 35 वर्ष से नेत्र चिकित्सा सेवा ● डायबिटीज व रेटिना के बीमारी के अंधत्व का त्वरित ईलाज लेसर द्वारा
आई.जी.ऑफिस रोड, नेहरू चौक, बिलासपुर
फोन : 07752-402070, 228277,
मो. : 9826190123, 9669979123

online Booking:-www.tripuryatra.com

20 वर्षो से
बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, शोंदिया से होकर
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
स्पेशल ट्रेन से - 12 मार्च से 22 मार्च 2026 (11 दिन)
रामेश्वरम् धाम यात्रा
श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरूपति बालाजी,
श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी,
श्री कन्याकुमारी
राशि :- स्लीपर 14,900/-, 3 एसी-23,900/-, 2 एसी 28,900/- (+5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354 411411